K Nand M.A II Sem's (1)

1) # Interview साक्षात्कार

सामाजिक अनुसंधान की विभिन्न प्रविधियों में साक्षात्कार एक महत्वपूर्ण पद्धति है। इसका प्रयोग प्रारम्भ काल से ही होरहा है। ~~यह अब~~ इसका व्यवहार का तरिका इतना सरल है कि यह प्रदत्त संग्रह की अन्य विधियों में अपना महत्व सबसे ऊपर रखता है। साक्षात्कार का अर्थ आमने सामने का वार्तालाप है जिसमें साक्षात्कारकर्ता सामग्री के मनोवृत्ति, अभिधारणा इत्यादि को जानने का प्रयास करता है।

"P.V. Young" ने "Scientific Social Survey and Research" P. 242" में Interview को define करते हुए कहा है कि साक्षात्कार को एक ऐसी व्यवस्थित विधि माना जा सकता है, जिसके अन्तर्गत एक व्यक्ति काल्पनिक रूप से कम या अधिक एक ऐसे व्यक्ति के आन्तरिक जीवन में प्रवेश करता है, जो कि उसके लिए अपेक्षाकृत अपरिचित होता है।"

"Interview may be regarded as a systematic Method by which one Person enters More or Less Imaginatively into the inner life of a comparative Stranger."

"Goode & Hatt" ने Interview को मूलरूप से सामाजिक अन्तःक्रिया की एक प्रक्रिया माना है। "Denzen" (1970) ने अपनी पुस्तक "The Research act" P. 185 में Interview को परिभाषित करते हुए कहा है कि साक्षात्कार आमने-सामने किया गया एक संवादोचित आदान प्रदान है जहाँ एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति से कुछ सूचनाएँ प्राप्त करता है।

"An Interview is any face to face conversational exchange where one Person elicits information from another."

K. Naved M.A II Sem (??)

(7) "The foundation of Behavioural Research"

(1985) P. 1985) नामक पुस्तक में "Kerlinger"

ने Interview को परिभाषित करते हुए कहा है

कि साक्षात्कार एक सामने-सामने अन्तरवैयक्तिक

भूमिका परिस्थिति है जिसमें साक्षात्कारकर्ता समग्री

से शोध समस्या से सम्बन्धित उत्तरों की प्राप्ति

के लिए प्रश्न करता है।

"The Interview is face-to-face interpersonal role situation in which one person, the interviewer, asks a person being interviewed, the respondent questions designed to obtain answers pertinent to research problem."

साक्षात्कार विधि के स्वरूप के सन्दर्भ में विभिन्न प्रकार के मतों का समावेश शोध-शास्त्र के अन्तर्गत किया गया है। उन सभी मतों के विश्लेषण से हमें निम्नांकित तथ्यों की जानकारी मिलती है:-

(i) साक्षात्कार एक आमने सामने की परिस्थिति होती है।
Interview is a face-to-face situation.

साक्षात्कार आमने सामने की परिस्थिति होती है जिसमें एक और साक्षात्कार कर्ता तथा दूसरी ओर समग्री उपस्थित होते हैं। लेकिन "Blackehopian" 1976 ने इस मत का खण्डन किया है कि साक्षात्कार आमने सामने की परिस्थिति नहीं होती है। क्योंकि साक्षात्कार कभी टेलीफोन या संचार के माध्यम से भी होता है जिसमें आमने-सामने की परिस्थिति कायम नहीं होती है। परन्तु आधुनिक वैज्ञानिकों का मत है कि वस्तुतः आमने सामने की परिस्थिति ही साक्षात्कार है।

(ii) साक्षात्कार में प्रश्न किया जाता है तथा उसका उत्तर शब्दों में दी जाती है। साक्षात्कार में

(111) K Nand M.A II Sem
(3)

साक्षात्कारकर्ता शब्दों के माध्यम से प्रश्न करते है जिसका उत्तर सूचनादाता शब्दों के रूप में देता है अतः साक्षात्कार में शब्दों का आदान-प्रदान होता है।

(iii) साक्षात्कार में साक्षात्कारकर्ता द्वारा न कि प्रत्यर्थी द्वारा सूचनाओं को रिकार्ड किया जाता है। साक्षात्कार की यह एक प्रबल गुण है जिसके कारण यह विधि अन्य विधियों से भिन्न है।

(iv) साक्षात्कार में साक्षात्कारकर्ता तथा सूचनादाता के बीच का सम्बन्ध विशिष्ट ढंग से संरचित होता है। इसका अर्थ है कि दोनों का सम्बन्ध अल्पकालिक होता है। इसके साथ प्रश्न किये गये सम्वादचित आदान-प्रदान की दृष्टि से साक्षात्कार एक निश्चित बिन्दु से शुरू होता है और अन्त भी एक निश्चित बिन्दु पर होता है। अतः साक्षात्कार में साक्षात्कारकर्ता तथा सूचनादाता के बीच का सम्बन्ध ऐसा होता है जिसमें दोनों ही एक दूसरे के लिए अजनबी होते हैं।

(v) साक्षात्कार में लचीलापन की विशेषता पायी जाती है इसमें शोधकर्ता अपनी इच्छा के अनुकूल प्रश्न ~~कर सकते~~ करते हैं। इस तरह आंकड़े संग्रह करने का यह एक ~~विधि~~ विशिष्ट विधि है।

~~इस तरह~~ साक्षात्कार आँकड़े संग्रह करने की एक ऐसी विधि है जिसमें अन्तर्वैयक्तिक सम्बन्ध पाया जाता है।

Interview Scheduale: →

Goode W.J and Hatt" (1952 ~~P.133~~) ने अपनी पुस्तक 'Method in Social Research' P.133 में अनुसूची के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए कहा है कि अनुसूची प्रश्नों के ऐसे सेट को कहा जाता है जिसे भेंटकर्ता आमने-सामने की परिस्थि